Threat letters to political leaders from IS

*110. SHRI RANJIB BISWAL: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a number of eminent leaders of both ruling and opposition parties have got threat letters purportedly by the Islamic State (IS), if so, the details thereof;

(b) whether Government has got the matter investigated to ascertain their veracity;

(c) if so, the outcome thereof; and

(d) the steps taken by Government to provide adequate safety to these leaders?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI KIREN RIJIJU): (a) to (d) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) to (c) Some threatening communications, purportedly from IS/ISIS have been received by some political leaders. However, enquiries have not established the genuineness/veracity of the threatening communications. *Prima facie*, it appears they might be the handiwork of mischief-mongers.

(d) The Central Government provides security after analyzing the threat perception of leaders/individuals, including the threatening communications received. The security provided is periodically reviewed and, based on review, it can be retained/withdrawn/upgraded/downgraded.

SHRI RANJIB BISWAL: Sir, I would like to know from the hon. Minister the list of political leaders who got these kinds of threat and the leaders whose security has been upgraded or downgraded.

SHRI KIREN RIJIJU: Sir, from time to time there are reports we received about the threat perception and based on the intelligence inputs about the security of various political leaders of this country across party lines and it is not wise to disclose the entire names as the hon. Member has suggested, but we do have the names and we have investigated whenever any threat or some kind of serious threat perception is being observed. Necessary steps are being taken. As of now, all the steps are being taken and, whenever necessary, security is being provided as per the categorised formula.

SHRI RANJIB BISWAL: Sir, as IS threat looms large in the world and India is looked at as a soft target, I would like to know from the Government: whether

it has identified the number of IS activities in India and the list of organisations who are active with IS.

SHRI KIREN RIJIJU: There are some activities in India being perpetrated by the ISIS and it is not a very alarming situation as some may try to project because our agencies and our intelligence organisations are alert at the Centre, and at the State levels also, and there are some cases which have been registered and numbers of errors are also being made. So, these are other investigations. There is nothing much to worry because our country is able to contain the threat whatsoever is available from the IS/ISIS.

MR. CHAIRMAN: Shri Javed Ali Khan. बिस्वाल जी, आप पूछ चुके हैं।

SHRI RANJIB BISWAL: If there is any other organisation who are involved in IS activities?

श्री राजनाथ सिंहः माननीय सभापति महोदय, मैं यह कहना चाहूंगा कि ISIS activities को लेकर कोई alarming situation इस समय हमारी कंट्री में नहीं है। मैं पूरी तरह से आश्वस्त हूं कि ये ISIS activities हमारे भारत में नहीं बढ़ने पाएंगी क्योंकि भारत के मुस्लिम समाज को मैं अच्छी तरह से जानता हूं, सारे देशवासी अच्छी तरह से परिचित हैं क्योंकि वह भारत के tradition और भारत के culture में रचा-बसा हुआ है और भारत की जो life values हैं, उन life values के प्रति यहां का मुस्लिम समाज इतना committed है कि वह किसी भी सूरत में ISIS activities को इस देश में फैलने की इजाज़त नहीं दे सकता।

श्री रवि प्रकाश वर्माः यह खबर आयी थी कि एक हिन्दू लड़का ISIS में शामिल हुआ है। ...(**व्यवधान**)...

श्री जावेद अली खानः माननीय सभापति जी, जो प्रश्न मैं पूछना चाहता था, उसका उत्तर माननीय मंत्री जी ने पहले ही दे दिया है, लेकिन जब आपने मुझे यह अवसर दिया है तो मैं जो प्रश्न कर रहा था, उसे मैं एक बार दोहराना चाहूंगा। चाहे लोकतांत्रिक तरीकों से, चाहे विघटनकारी तरीकों से, यदि धर्म के नाम पर राज्य बनाया जाए या उसका प्रयास किया जाए तो मैं और इस सदन में ज्यादातर लोग उसके खिलाफ हैं – चाहे Islam के नाम पर स्टेट बने, चाहे Hinduism के नाम पर बने, लेकिन यह देखने में आया है कि ऐसे संगठनों को, जो धर्म के नाम पर राज्य बनाने की गतिविधि करते हैं, उनको प्रथमदृष्टया समर्थन उसी कम्युनिटी के बीच में हासिल हो जाता है। मेरा प्रश्न यह था, जिसका काफी हद तक जवाब माननीय मंत्री जी ने दे दिया है, कि क्या भारत में किसी मुस्लिम संगठन ने, किसी मुस्लिम उलेमा ने, किसी मुस्लिम धर्मगुरू ने या किसी मुस्लिम नेता ने अभी तक आईएस का समर्थन किया हो, ऐसी कोई जानकारी सरकार के पास है?

†**جناب جاوید علی خان :** مانئے اپ سبھا جی، جو سوال میں پوچھنا چاہتا تھا، اس کا جواب مانئے منتری جی نے پہلے ہی دے دیا ہے، لیکن جب آپ نے مجھے یہ

† Transliteration in Urdu script.

موقعہ دیا ہے تو میں جو سوال کررہا تھا، اسے میں ایک بار دوبرانا چاہونگا. چاہے لوک تانترک طریقوں سے، چاہے وگھٹن کاری طریقوں سے، اگر دھرم کے نام پر راجیہ بنایا جانے یا اس کا پریاس کیا جانے تو میں اور اس سدن میں زیادہ تر لوگ اس کے خلاف ہیں. چاہے اسلام کے نام پر استیت بنے، چاہے بندوازم کے نام پر بنے، لیکن یہ دیکھنے میں آیا ہے کہ ایسے سنگٹھنوں کو، جو دھرم کے نام پر راجیہ بنانے کی گتی ودھی کرتے ہیں ان کو پرتھم درشٹیا سمرتھن اسی کمیونٹی کے بیچ میں حاصل ہوجاتا ہے. میرا سوال یہ تھا، جس کا کافی حد تک جواب مانیئے منتری جی نے دے دیا ہے کہ کیا بھارت میں کسی مسلم سنگٹھن نے، کسی مسلم علما نے ، کسی مسلم دھرم گرو نے یا کسی مسلم نیتا نے ابھی تک آنی.ایس کا سمرتھن کیا ہو، ایسی کوئی جانکاری سرکار کے پاس ہے؟

श्री किरन रिजिजुः महोदय, अभी गृह मंत्री जी ने भी बताया और पहले भी मैंने कहा है कि भारत में बहुत छोटी संख्या में, कुछ छुट-पुट घटनाएं सामने देखने को मिली हैं, जिनमें ISIS activities के साथ जुड़ने का प्रयास हुआ और कुछ लोग अरेस्ट भी हुए। यह बड़ी संख्या में नहीं है, जैसा मैं पहले बता चुका हूं — संगठन तो इसमें बिल्कुल जुड़ा हुआ नहीं है और बड़े मुस्लिम नेता या organizations ने तो इसका देश भर में खुलकर विरोध किया है, यह बहुत अच्छी बात है।

श्री नारायण लाल पंचारियाः आदरणीय सभापति जी, माननीय मंत्री महोदय ने अपने जवाब में यह लिखा है कि केंद्र सरकार नेताओं, व्यक्तियों के खतरे की आशंका के विश्लेषण के पश्चात सुरक्षा मुहैया कराती है और उसके बाद सुरक्षा की आवधिक आधार पर समीक्षा भी करती है। मैं माननीय मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि गत दो वर्षों में कितने नेताओं की सुरक्षा की समीक्षा करके क्रमशः बहाली, वापसी, अपग्रेड, डाउनग्रेड की गयी है?

श्री किरन रिजिजुः सभापति महोदय, मैंने शुरू में ही बताया कि एक प्रक्रिया है। सरकार तो इसमें सिर्फ नीतिगत रूप से यह मानती है कि सुरक्षा सबको मिलनी चाहिए। एक प्रक्रिया अधिकारिक रूप से पहले से तैयार की हुई है। हमने सुरक्षा को चार कैटेगरीज़ में बांटा है। कौन, किस श्रेणी में आना चाहिए, उसका format readymade है, threat perception के बारे में IB से इनपुट्स आते हैं, स्टेट गवर्नमेंट से भी आते हैं, उन सबको मिलाकर तैयारी की जाती है। अभी 286 लोगों को हमने Z+, Z, Y और X कैटेगरी की सुरक्षा दी हुई है। इसके अलावा राज्यों ने भी कुछ लोगों को सुरक्षा देने के लिए हमसे रिक्वेस्ट की है, तो हम लोगों ने इस वक्त 21 लोगों को सेंट्रल आर्म्ड फोर्सेस की सुरक्षा दी हुई है, जिनके बारे में राज्य सरकार ने कहा कि इनको सिक्योरिटी चाहिए। हमारी तरफ से, केंद्र सरकार की तरफ से 21 लोगों को सुरक्षा मुहैया करवाई गई है।

श्री गुलाम रसूल बलियावीः सभापति महोदय, जो प्रश्न मैं पूछना चाहता था, उसका बहुत हद तक जवाब माननीय मंत्री महोदय ने पहले ही दे दिया है। मैं सिर्फ यह जानना चाहता हूं कि कुछ लोग जो आई.एस.आई.एस. के दहशतगर्द तंजीमें हैं, तो जो लोग भी पकड़े गए हैं या जो तंजीम भी पकड़ी गईं हैं, उनमें से कितने व्यक्तियों पर चार्ज फ्रेम हुआ और कितने व्यक्ति ऐसे हैं, जिनको अदालतों ने बाइज़्ज़त बरी कर दिया है? अगर इसकी कोई डिटेल आप दें, तो बड़ी कृपा होगी।

†**جناب غلام رسول بلیاوی:** سبھاپتی مہودے ، جو سوال میں پوچھنا چاہتا تھا ، اس کا

† Transliteration in Urdu script.

بہت حد تک جواب مانئیے منتری مہودے نے پہلے ہی دے دیا ہے۔ میں صرف یہ جاننا چاہتا ہوں کہ کچھ لوگ جو آئی ایس آئی ایس کے دہشت گرد تنظیمیں ہیں، تو جو لوگ بھی پکڑے گئے ہیں یا جو تنظیم بھی پکڑی گئی ہیں ان میں سے کتنے لوگوں پر چارج فریم ہوا اور کتنے لوگ ایسے ہیں جن کو عدالتوں نے باعزت بری کردیا ہے؟ اگر اس کی کوئی ڈٹیل آپ دیں تو بڑی مہربانی ہوگی۔

श्री किरन रिजिजुः सभापति महोदय, फिलहाल तो छह केस रजिस्टर हुए हैं, शायद आप लोगों को पहले भी अखबारों के माध्यम से जानकारी प्राप्त हुई होगी। इन छह केसों में कई लोग अरेस्ट हुए हैं। चूंकि अब इन्वेस्टिगेशन चल रहा है, उसके बारे में पूरा खुलासा करना, तो सम्भव नहीं है, क्योंकि ...(**व्यवधान**)...

श्री गुलाम रसूल बलियावीः कितने दिनों में पूरी हो जाएगी, इसकी कोई संभावना है?

†**جناب غلام رسول بلیاوی:** کتنے دنوں میں پورا ہوجائے گا، اس کی کوئی سمبھاونا ہے۔

श्री सभापतिः आप उत्तर सुन लीजिए।

श्री किरन रिजिजुः आपको अच्छी तरह से पता है कि हम इन्वेस्टिगेशन की कोई समय-सीमा तो तय नहीं कर सकते हैं। यह डायनेमिक सिचुएशन है, लेकिन हम इसको seriously pursue कर रहे हैं। हमारी जो नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी है, जिसने केस रजिस्टर किया है, वह बहुत ही प्रोफेशनली काम कर रही है और वह किसी innocent को तंग न करे, जिसने गलत किया है, उस तक पहुंचे, इस बात पर ध्यान देकर वह काम कर रही है।

ESI hospital in Gulbarga

*111. SHRI BASAWARAJ PATIL: Will the Minister of LABOUR AND EMPLOYMENT be pleased to state:

(a) what is the potentiality of Employees' State Insurance (ESI) hospital in Gulbarga and how much percentage of potentiality has been utilized in the service of the labour by ESI hospital; and

(b) if it has not been utilized, the reasons therefor, and by when it will be utilized fully?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF LABOUR AND EMPLOYMENT (SHRI BANDARU DATTATREYA): (a) and (b) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) and (b) 500 bedded Employees State Insurance Corporation (ESIC) hospital, Gulbarga is the 'Associated Medical College Hospital' for ESIC Medical College,

† Transliteration in Urdu script.